



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 29] [ दिल्ली, बुधवार, फरवरी 9, 1989/माघ 20, 1910  
No. 29] NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 9, 1989/MAGHA 20, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय  
(आयन व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 98-आई टी सी (पी एन)/88-91

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1990

विषय — 1982-83 और बाद के वर्षों के लिए फंड क्रेडिट के लिए  
लाइसेंस शर्तें।

काइल स. आई टी सी-23(10)/84-85 — उपर्युक्त विषय पर  
जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 81-आई टी सी (पी एन)/84-85  
दिनांक 23 जनवरी 1985 की ओर ध्यान दिया जाना है।

उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना दिनांक 23 जनवरी, 1985 से संलग्न  
परिशिष्ट में अनुच्छेद 4(1) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया  
जाता है

“1 मुद्रा क्योंकि फंड क्रेडिट फंड बैंक में होते हैं अतः सविदा  
का मूल्य केवल फंड मुद्रा में ही दिया जाएगा। यदि विशेष मामले में  
कोई भिन्नता आवश्यक समझी जाए तो कोई भी सविदा तय करने से  
पूर्व प्राधिकार कार्य विभाग का पूर्व अनुमोदन अवश्य प्राप्त किया जाए”।

2(ii) उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना दिनांक 23 जनवरी, 1985 से  
संलग्न परिशिष्ट में अनुच्छेद 4(2) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित  
किया जाता है :—

“मूल्य — सामान्यतः सविदा जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के  
आधार पर होनी चाहिए और यह कि भाड़े और बीमे के भुगतान की  
व्यवस्था भारतीय जलयानों/भारतीय बीमा कंपनी के माध्यम से  
केवल भारतीय रुपये में होनी चाहिए। लेकिन यदि किसी वैध कारण  
से भारतीय जलयान/भारतीय बीमा कंपनी का प्रयोग नहीं किया जा  
सकता हो तो इसकी व्यवस्था फंड फ्लैग जलयान/फंड बीमा कंपनी  
के माध्यम से की जाए और सविदा लागत-बीमा भाड़ा मूल्य, लागत  
एवं भाड़ा आधार पर दर्शाई जाए। सविदा में हर हालत में लागत के  
साथ-साथ भारतीय एजेंट का कमीशन, यदि कोई हो, तो अलग-अलग  
दर्शाया जाना चाहिए। आयातक एजेंट को उक्त कमीशन का भुगतान  
केवल भारतीय रुपये में ही करेगा और इसे सविदा में स्पष्ट रूप से  
दर्शाया जाना चाहिए। यदि मूल्य वृद्धि की गणना की सूची में और  
अन्तर्गत बड़ी हुई अधिकतम राशि कमिशनल सविदा में दिए गए  
हो तो वृद्धि का भुगतान फंड क्रेडिट में से लिया जा सकता है।

2(iii) उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना दिनांक 23 जनवरी, 1985 से संलग्न परिशिष्ट में अनुच्छेद 4(3) (ग) (अन्य आयात फॉब फ्रैंक 80,000) को 100,000 फॉब फ्रैंक द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है।

2(iv) उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना दिनांक 23 जनवरी, 1985 से संलग्न परिशिष्ट में अनुच्छेद 5.1 को निम्नप्रकार से 5.1(4) के बाव जोड़ा जाता है :—

(5) अनुच्छेद 4.7(ग) के अनुसार प्रत्येक भुगतान के लिए म्याामी बैंक को संभरक द्वारा दिए जाने वाले दस्तावेजों की सूची।

(6) पूर्ण क्रेडिट राशि के लिए संभाव्य भुगतान अनुसूची।

2(v) उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना दिनांक 23 जनवरी, 1985 से संलग्न परिशिष्ट के अनुच्छेद 7.1 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है :—

“एजेंट बैंक से दस्तावेज प्राप्त होने पर भारत में आयातक के बैंक को धारा VIII-2 में उल्लिखित अनुसार विनिमय की मिश्रित दर पर हिसाब लगा कर बीजक में दर्शाए गए के अनुसार, विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रुपये को जमा करवाने की व्यवस्था करनी चाहिए। इसके प्रतिनिधित्व, भारत सरकार द्वारा एस मो मार्ग में विनिविष्ट निर्धारित दर पर उपर्युक्त समतुल्य रुपये के ब्याज का भुगतान भी विदेशी संभरक को किए गए भुगतान की तारीख और समतुल्य रुपया जमा करने की तारीख (दोनों दिन शामिल हैं) के बीच वास्तविक अंतराल के लिए, सरकार को किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए वर्तमान में निर्धारित ब्याज की दर पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष और 30 दिन से अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रति वर्ष है। ब्याज के भुगतान से सम्बंधित प्रावधान सरकारी विभागों के लिए लागू नहीं होगा।”

2(vi) उपर्युक्त सूचना दिनांक 23 जनवरी, 1985 से संलग्न परिशिष्ट में अनुच्छेद 7.3 निम्न प्रकार से है।

इस अनुच्छेद के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा

“आयातक को संभरक को भुगतान की राशि और तारीख के बारे में सूचित करने की व्यवस्था स्वयं करनी चाहिए।”

2(vii) उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना दिनांक 23 जनवरी, 1985 से संलग्न परिशिष्ट का अनुच्छेद-4 निम्नप्रकार से है :—

“एफ. (संविदा मूल्य) के बाव निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा : जी : संविदा पूर्ण करने की संभाव्य अवधि।

(एन : संभाव्य भुगतान कार्यक्रम)

3. उपर उल्लिखित संशोधन 1-9-1988 से लागू होंगे।

के. बी. हरजीराया, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 98—ITC(PN)|88—91

New Delhi, the 9th February, 1989

Subject : Licensing conditions for French Credit for 1982-83 and later years.

File No. IPC/23(10)|84-85.—Attention is invited to public Notice No. 1/81-ITC(PN)|84-85 dated the 23rd January, 1985 issued on the above subject 2(i) Article IV (i) in the Appendix appended to

the aforesaid Public Notice dated the 23rd January, 1985 is replaced by the following :—

“1. Currency : As the French Credits are in French Franc the contract would be denominated in French currency only. If on special considerations a departure is considered necessary prior approval of Deptt. of Economic Affairs must be obtained before concluding any contract.”

2(ii) Article IV (2) in the Appendix appended to the aforesaid Public Notice dated the 23rd January, 1985 is replaced by the following :—

“Price : The contract should normally be on fob basis and that the freight and insurance should be arranged through Indian vessels| Indian insurance company to be paid in Indian rupees only. However, if for any valid reasons Indian vessel|insurance company cannot be used it may be arranged through a French flag vessel|french insurance company and the contract may be shown on cif value or C&F basis. In any case the contract must indicate separately & distinctly the for Price, Freight charges & insurance cost as well as Indian agent's commission; if any; Such commission will be payable by the importer to the agent only in Indian Rupees and the contract should clearly indicate this. The escalation can be paid out of French Credit if the index of calculation of price escalation and the maximum amount to be eventually reached are stated in the commercial contract.”

2. (iii) Article IV (3) (c) (other imports FF 80,000) in the Appendix appended to the aforesaid Public Notice dated the 23rd January, 1985, is substituted by FF 100,000.

2 (iv) Article V.1 in the Appendix appended to the aforesaid Public Notice dated the 23rd January, 1985 is added after V.1 (iv) as under :—

(v) (A list of documents to be presented by the supplier to the democillary bank for each payment as per Article IV 7(c).

(vi) Likely disbursement schedule for the full credit amount.

2 (v) Article-VII. 1 in the Appendix appended to the aforesaid Public Notice dated the 23rd January, 1985 is replaced by the following :—

“On receipt of the documents from the agent bank, the importer's bank in India must arrange deposit of the rupee equivalent of

the payment made to the foreign supplier as indicated in the invoice calculated at the composite rate of exchange as provided in clause VIII-2. In addition, interest on the above rupee equivalent at the rates(s) prescribed by the Govt. of India which will be specified in the LOI will also be payable to the Govt. for the actual interval between the date of payment to the foreign supplier and the date of deposit of rupee equivalent (both days inclusive). The interest rate presently prescribed for this purpose is 12 per cent per annum for the first 30 days and 18 per cent per annum for the period in excess of 30 days. The provision regarding payment of interest will not apply to the Government Department.

2 (vi) Article-VII, 3 in the Appendix appended to the aforesaid Public Notice dated the 23rd January, 1985 is as under :—

“The following should be added at the end of this article” The importer should independently arrange with the supplier to be informed of the amount and date of payment.”

2 (vii) Article-IV in the Appendix appended to the aforesaid Public Notice dated the 23rd January, 1985 as under :—

“After F(value of the contract) the following should be added : G. Likely period for completion of the contract H. Likely disbursement schedule.

3. The above mentioned amendments will come into effect from 1-9-1988.

K. V. IRNIRAYA, Chief Controller of Imports and Exports

